CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 02

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर इनसे संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**
   आज हम सभी परेशान हैं कि समय पर वर्षा नहीं होती। कहीं अतिवृष्टि है, कहीं अल्पवृष्टि, तो कहीं अनावृष्टि। पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की अपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसमी-चक्र बहुत कुछ बदल गया है। और अब तो अनिश्चित-सा हो गया है। पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमित रूप से होती थी।
   यह स्थिति केवल भारत की नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कहीं इतनी वर्षा होती हैं कि बाढ़ के कारण जन और धन की अपार हानि होती है, तो कहीं बिलकुल वर्षा नहीं होती, जिससे खड़ी फसलें खेत में नष्ट हो जाती हैं। कुछ देशों में बर्फ इतनी गिरती है कि जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। लोगों की पलायन करने की चिंता बढ़ जाती हैं, जिससे जीवन दूभर हो जाता है। कभी-कभी जब फसल पक जाती है, तब मूसलाधार वर्षा हो जाती है, जिससे अन्न को घर लाना असंभव हो जाता है। वायुमंडल में प्रदूषण और प्रकृति-असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में वर्ष 1987 में बीसवीं शताब्दी का सबसे भयंकर सूखा पड़ा। साथ ही, पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफ़ी हानि हुई। यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य-निर्मित है, क्योकि मनुष्य स्वयं प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहां हैं।
   मौसम में इस तरह के बदलाव से सामान्य जन पीड़ित हैं और वैज्ञानिक चिंतित। वैज्ञानिक खोजों से पता चलता है कि मौसम में परिवर्तन, फेफड़ों में कैंसर व हृदय के रोगों एवं मानसिक तनाव आदि का मुख्य कारण है-प्रकृति में असंतुलन। हम सभी जानते हैं कि धरती पर जीवन प्रकृति-संतुलन से ही संभव हो सका है।

   i. आज मौसम परिवर्तन के क्या-क्या लक्षण दिखाई पड़ते हैं? (2)

ii. बाढ़ से मानव जीवन किस प्रकार दूभर हो जाता है? (2)
iii. वर्ष 1987 में प्राकृतिक असंतुलन के क्या दुष्परिणाम सामने आए थे? (2)
iv. मौसम में परिवर्तन से किस प्रकार के रोग होते दिखाई पड़ते हैं? (2)
v. 'उत्तरार्द्ध' व 'भीषण' शब्दों के अर्थ लिखिए। (1)
vi. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

Section B

2. राम ने पुस्तक पढ़ी । इस वाक्य में प्रयुक्त पदों की संख्या कितनी है, स्पष्ट करें ? **(1)**

3. नीचे लिखें वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **(3)**

i. उसने कहा था और वह समय पर आया भी था। (मिश्र वाक्य)
ii. तुम जाकर राम को बुला लाओ। (संयुक्त वाक्य)
iii. दहाड़ते हुए शेर ने हिरण पर हमला किया। (मिश्र वाक्य)
iv. रोहित गाँव जाकर बीमार हो गया। (संयुक्त मिश्र)

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- **(2)**
   i. कमलनयन
   ii. विद्याभंडार
   iii. मनमाना
   II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- **(2)**
   i. नीला है जो गगन
   ii. देश से निकला (निष्कासन)
   iii. लगाम के बिना

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

i. शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा।
ii. मैंने सुंदर एक फूल बहुत देखी।
iii. मुझे गरम प्याला एक चाय का चाहिए।
iv. हमें आगरा जाना है ताजमहल देखने के लिए।
v. मैं बच्चा था यह बात जब उस समय की है।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

i. उसका पहले से ही दिमाग खराब है, ऐसी बात करके आपने तो _____।
ii. भाई साहब आप तो _____ हैं, दिखाई ही नहीं पड़ते हैं।

iii. अपनी घर की मालकिन है, घर के अन्य लोगों को अपनी _____ है।

iv. सफलता पाने के लिए बहुत _____ पड़ते हैं।

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. 26 जनवरी, 1931 को कलकत्ता के बड़े बाज़ार में राह चलते लोग किस दृश्य को देखकर उत्साहित हो रहे थे? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

   ii. कारतूस एकांकी के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि सआदत अली जैसे लोगों ने सदैव देश का अहित ही किया है।

   iii. मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर क्या किया है? अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए।

   iv. लेखक ने 'गिन्नी का सोना' पाठ में किस संदर्भ में गांधीजी के लिए कहा है कि "वह हवा में ही उड़ते रहते?"

8. 'बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर लेखक की स्वभावगत विशेषताएं लिखिए। **(5)**

OR

वामीरो की प्रतीक्षा में बैठे तताँरा की प्रेम व्याकुलता तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर स्पष्ट करें।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. कवयित्री मीरा अपने प्रभु के सौंदर्य पर क्यों रीझी हुई हैं? स्पष्ट कीजिए।

   ii. पर्वतीय प्रदेश में स्थित तालाब के सौंदर्य का पर्वत प्रदेश में पावस कविता के आधार पर चित्रण कीजिए।

   iii. 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर बताइए कि जान देने की रुत कौन-सी होती है?

   iv. भाव स्पष्ट कीजिए-
   "सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही;
   वशीकृता सदैव है बनी हुई स्वयं मही।
   विरुद्धवाद बुद्ध का दया-प्रवाह में बहा,
   विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुका रहा?"

10. अपने अंदर का दीपक दिखाई देने पर कौन-सा अँधियारा कैसे मिट जाता है? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **(5)**

OR

आत्मत्राण कविता में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. आम आदमी की धर्म के प्रति अंधश्रद्धा को धर्म के ठेकेदार किस रूप में भुनाते हैं? 'हरिहर काका' कहानी में काका किस प्रकार इसका शिकार हुए? व्यक्ति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण उसे किस प्रकार बचा सकता है?

    ii. टोपी ने दोबारा कलेक्टर साहब के बँगले की ओर रुख़ क्यों नहीं किया? टोपी शुक्ला पाठ के आधार पर लिखिए।

Section D

12. **विज्ञापन की बढती हुई लोकप्रियता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

    - विज्ञापन की आवश्यकता
    - विज्ञापनों से होने वाले लाभ
    - विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

OR

आज की बचत कल का सुख विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

OR

भारत में बाल मज़दूरी की समस्या विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बाल मज़दूरी का अर्थ
- बाल मज़दूरी के कारण
- बाल मज़दूरी को दूर करने के उपाय

13. अपने क्षेत्र में भारी यातायात के कारण होने वाली असुविधाओं का वर्णन करते हुए क्षेत्र के सांसद को पत्र लिखकर उन्हें दूर करने का अनुरोध कीजिए। **(5)**

OR

किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुझाव देते हुए पत्र लिखिए।

14. अभिषेक वर्मा, दिल्ली पब्लिक विद्यालय के हेड ब्वाय की ओर से सुनामी पीड़ितों के लिए धनराशि दान करने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। **(5)**

OR

आपने अपना नाम अभिलाषा से बदलकर प्रांजल कर लिया है। अपने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को 20-30 शब्दों में इसकी सूचना दीजिए।

15. एक पड़ोसी, रोज सुबह अखबार माँग कर पढ़ने ले जाते हैं, उनके विषय में पति और पत्नी के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर मोहित और राहुल दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. पुस्तक विक्रेता के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **(5)**

OR

एक प्रसिद्ध मोबाइल फ़ोन कंपनी की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper - 02

Answer

Section A

1. i. आज मौसम परिवर्तन के अनेक लक्षण दिखाई देते हैं-समय पर वर्षा न होना,अगर होती है तो कहीं अतिवृष्टि या अनावृष्टि और कभी इतनी वर्षा होती है कि बाढ़ आ जाती है या कभी इतनी कम वर्षा होती है कि सूखा पड़ जाता है। कभी-कभी बर्फ इतनी गिरती है कि जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। जिससे आज हम सभी परेशान है | पहले हर मौसम प्रायः समय पर आता था और वर्षा नियमितरूप से होती थी | पिछली सदी के पूर्वार्द्ध की अपेक्षा उत्तरार्द्ध में मौसम-चक्र बदल गया है। यह स्तिथि केवल भारत की नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण विश्व की है |
   ii. बाढ़ से जन-धन की अपार हानि होती है जैसे कुछ देशो में बर्फ गिरने से लोगों का जीवन अस्त- व्यस्त हो जाता है, उनमे पलायन करने की चिंता बड जाती है | अधिक वर्षा के कारण खेत भी पानी में डूब जाते हैं जिससे अन्न की भीषण समस्या उत्पन्न हो जाती है | जिसका असर सामाजिक जीवन पर पड़ता है | जहाँ वर्षा की कमी थी वहाँ फ़सलें सूख जाती थीं जिससे किसानों को काफ़ी हानि होती थी |
   iii. वर्ष १९८७ में प्राकृतिक असंतुलन के कारण भारत के अधिकांश भाग में सूखा पड़ा जिससे सामाजिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया, साथ ही पूर्वी भारत में बाढ़ के भीषण प्रकोप से जन-धन की काफ़ी हानि हुई थी | बाढ़ के कारण कई खेत पानी में डूब गए | यह प्राकृतिक विपदा मनुष्य द्वारा प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से हुई है |
   iv. प्रकृति में असंतुलन के कारण मौसम में तरह-तरह के बदलाव हो रहे हैं, जिससे हमारे वैज्ञानिक चिंतित हैं क्योंकि इस बदलाव से लोगों के फेफड़ों में कैंसर, ह्रदय से संबंधित रोग एवं मानसिक तनाव आदि दिखाई पढ़ रहे हैं |अतः हमे ये जानना जरूरी है कि प्रकृति के संतुलन से ही धरती पर हमारा जीवन संभव है |
   v. **उत्तरार्द्ध** - बाद में
   भीषण - भयानक,डरावना
   vi. जलवायु परिवर्तन

Section B

2. राम ने पुस्तक पढ़ी । इस वाक्य में प्रयुक्त पदों की संख्या तीन है। (राम, पुस्तक, पढ़ी)

3. i. जैसे उसने कहा था वैसे वह समय पर आया भी था।
   ii. तुम जाओ और राम को बुला लाओ।
   iii. जैसे ही शेर दहाड़ा वैसे ही उसने हिरण पर हमला किया।
   iv. रोहित गाँव गया और बीमार हो गया।
4. I. i. कमल के समान नयन - कर्मधारय समास
      ii. विद्या का भंडार - संबंध अर्थात् षष्ठी तत्पुरुष

iii. मन की करने वाला - षष्ठी तत्पुरुष

II. i. नीलगगन - कर्मधारय (विशेषण - विशेष्य का संबंध)

ii. देश निकाला - अपादान तत्पुरुष

iii. बेलगाम - अव्ययी भाव समास

5. i. देश शहीदों को सदा आभारी रहेगा।

ii. मैंने एक बहुत सुंदर फूल देखा।

iii. मुझे गरम चाय का एक प्याला चाहिए।

iv. हमें ताजमहल देखने के लिए आगरा जाना है।

v. यह बात उस समय की है जब मैं बच्चा था।

6. i. आग में घी डाल दिया है।

ii. ईद का चाँद हो गए

iii. अंगुलियों पर नचाती

iv. पापड़ बेलने या लोहे के चने चबाने

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. 26 जनवरी, 1931 को कलकत्ता शहर में घरों, रास्तों को इस प्रकार सजाया गया था मानो कोई त्यौहार हो यह देख कर राह चलते लोग उत्साहित हो रहे थे। उस दिन बड़े बाज़ार के सभी मकानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। कुछ मकानों को तो अत्यंत भव्यता से सजाया गया था। लोग सुबह से ही रास्तों पर निकलना शुरू हो गए थे। इसके साथ ही सड़कों पर बड़ी संख्या में गोरखे सैनिक, सारजेंट तथा घुड़सवार पुलिस की तैनाती लोगों को बहुत प्रभावित कर रही थी |

ii. सआदत अली जैसे लोग हमेशा देश का अहित हीं करते हैं | ' कारतूस ' एकांकी के आधार पर उदाहरण निम्नलिखित है:

i. सआदत अली कर्नल का खास दोस्त और एक अय्याश आदमी था। वो अपने अय्याशीयों के लिए कुछ भी कर सकता था ।

ii. उसने ये जानते हुए भी कि अंग्रेज देश के खिलाफ षड्यन्त्र कर रहे हैं | उसने अपनी जायदाद का आधा भाग और दस लाख रुपये अंग्रेजों को दे दिए |

iii. मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर एक परिवार समान संसार को अलग-अलग टुकड़ों में बाँट दिया है और बाकी जीवों के अधिकार को छीन कर अपने आप को सर्वाधिक शक्तिशाली बना लिया है। प्रकृति ने संसार के सारे जीवों को एक समान बनाया था , लेकिन मानव ने सब को अलग करके एकजुट होकर रहने की भावना को समाप्त कर दिया है।

iv. 'गिन्नी का सोना' पाठ में लेखक ने गांधीजी के लिए उपरोक्त कथन इस संदर्भ में कहा है कि उन्होंने अपने आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर नहीं उतरने दिया, बल्कि व्यावहारिकता को ही उच्च आदर्शों के स्तर तक ऊँचा उठा दिया। अपने आदर्शों को व्यावहारिकता के साथ जोड़कर ही वे उसे देश में सभी के लिए अनुकरणीय बना सके अन्यथा उनका आदर्श धरा का धरा रह जाता। और गांधीजी के बारे में चंद लोग कहते हैं कि गांधीजी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। वे व्यावहारिकता को पहचानते थे। उसकी कीमत जानते थे। इसलिए वे अपने विलक्षण आदर्श चला सके। वे सोने में ताँबा नहीं बल्कि ताँबे में सोना मिला कर उसकी कीमत बढ़ाते थे। व्यावहारिकता को आदर्श के स्तर पर ही चढ़ाते थे।

8. कहानी के आधार पर लेखक की स्वभावगत विशेषताएं निम्नलिखित है-

i. लेखक को पढ़ाई से अधिक खेलकूद पसंद है। वह मित्रों के साथ सैर-सपाटा, गप्पे मारने, पतंगबाज़ी आदि में अधिक रुचि रखता है।
ii. वह लगातार बैठकर पढ़ाई नहीं कर सकता। उसे एक घंटा लगातार बैठकर पुस्तक पढ़ना बहुत भारी लगता है। अपने बड़े भाई को लगातार पढ़ाई करते देखकर उसे बड़ा अचरज होता है।
iii. उनकी डाँट-फटकार सुनकर वह निश्चय कर लेता है कि वह पढ़ाई का टाइम टेबल बनाएगा। पढ़ाई के लिए टाइम-टेबिल तो बना लेता है, किंतु उसका पालन नहीं कर पाता। खेल के प्रति उसका आकर्षण इतना अधिक है कि वह चाहकर भी अपने आप को रोक नहीं सकता उसे रोक नहीं सकता।
iv. वह पढ़ाई में होशियार है और उसे अपनी सफलता पर घमंड भी होता है ।
v. वह अपने बड़ों का सम्मान करता है। इसी कारण वह चाहकर भी बड़े भाई को असफलता पर ताना नहीं मारता है। वह जानता है कि बड़ों की बातें सुनना तथा उनका आदर करना छोटों का कर्तव्य है।

OR

तताँरा ने वामीरो को मिलने के लिए शाम को बुलाया था। वह दिन भर शाम की प्रतीक्षा कर रहा था। उसके गंभीर और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था। मिलने की बेचैनी में वह दिन ढलने के काफी पहले ही लपाती की उस समुद्री चट्टान पर पहुँच गया। वामीरो की प्रतीक्षा में एक-एक पल पहाड़ की तरह भारी लग रहा था। उसके भीतर एक आशंका भी दौड़ रही थी, अगर वामीरो न आई तो? वह कुछ निर्णय नहीं कर पा रहा था, सिर्फ प्रतीक्षारत था। जैसे-जैसे सूरज ढलने लगा वह निराश होने लगा किंतु आस की किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी। वह बार-बार लपाती के रास्ते की और देखता था। सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति दिखाई दे दी। वह बहुत खुश हो गया क्योंकि वह वामीरो थी। वह अपने को छुपाते हुए बढ़ रही थी इस से लग रहा था कि वह कुछ घबराई हुई है । फिर तेज़ कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर रुक गई। दोनों कुछ भी नही बोल रहे थे। केवल एकटक निहारते हुए वे जाने कब तक खड़े रहे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. कवयित्री मीरा के प्रभु का रूप-सौंदर्य अत्यंत सुंदर है। उनके प्रभु के सिर पर मोर मुकुट है। उनके गले में बैजंती

के फूलों की सुंदर माला सुशोभित है। वे मधुर धुन में मुरली बजाते हुए वृंदावन में गाएँ चराते हैं। इसी अद्वितीय सौंदर्य के कारण मीरा अपने प्रभु पर रीझी हैं।

ii. पर्वतीय प्रदेश में पहाड़ की तलहटी में एक विशाल आकार का तालाब है। वहाँ होने वाली वर्षा के जल से यह तालाब परिपूरित रहता है। तालाब के पास ही विशालकाय पर्वत है। इसकी परछाई इसके पानी में उसी तरह दिखाई देती है जैसे साफ़ दर्पण में कोई वस्तु दिखाई देती है।

iii. काव्यांश के आधार पर 'रुत' से तात्पर्य 'अवसर' से है। देश की सेवा करते हुए सैनिक कहते है जिंदा रहने के बहुत अवसर मिलते हैं पर देश पर कुर्बानी देने का अवसर कभी-कभी आता है और यह अवसर केवल देशप्रेमियों को ही मिलता है।

iv. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त कविता की इन पंक्तियों में 'सहानुभूति' और 'परोपकार' अर्थात् करुणा की भावना को मनुष्यता का उदात्त गुण मानते हैं। इसे कवि ने 'महाविभूति' की संज्ञा दी है। कवि का मानना है कि सहानुभूति श्रेष्ठ गुण है। दूसरों के दुःख को अपने दुःख के रूप में देखने की प्रवृत्ति ही मनुष्य की संचित पूँजी है।
ऐसे ही लोगों की पृथ्वी दासी है अर्थात् पृथ्वी पर ऐसे लोगों को ही पूज्य माना जाता है। कवि बुद्ध की दया-भावना को महत्त्व देते हैं। उनके अनुसार, बुद्ध के दया-भाव और अहिंसा के उपदेश ने विरोध के स्वर को धूमिल कर दिया। जो लोग बुद्ध के धुर-विरोधी थे, वे भी उनकी महानता के सामने स्वयं ही झुक गए।

10. 'दीपक' प्रकाश फैलाने का माध्यम हैं। इससे अंधकार का नाश होता हैं। कबीर ने अपनी साखी में 'दीपक' को ज्ञान के प्रतीक के रूप में रखा है। ज्ञान आंतरिक दुष्प्रवृत्तियों को नष्ट करता है।
मनुष्य की दुष्प्रवृत्तियों अंधकार के समान ही हैं। ज्ञान की ज्योति से अंधकार का मिटना मनुष्य को एक नई पहचान देता हैं। ईश्वरीय ज्ञान मनुष्य को आंतरिक अंहकार के कारण नहीं हो पाता। इस प्रकार के समाप्त होते ही मनुष्य का ईश्वर से एकाकार हो जाता है।
अपने अंदर का दीपक दिखाई देने पर अपने-पराए का भेद मिट जाता है। जिस प्रकार दीपक के प्रकाश से अंधकार समाप्त हो जाता है, उसी प्रकार व मनुष्य को ईश्वर के प्रेम रूपी प्रकाश से साक्षात्कार होता है तो उसके मन के सारे प्रश्न, भ्रम, संदेह समाप्त हो जाते हैं, और अज्ञान रूपी अंधकर मिट जाता है।

OR

'आत्मत्राण' कविता में कवि प्रभु से दुख दूर करने की प्रार्थना नहीं करता है बल्कि वह स्वयं अपने साहस और आत्मबल से दुखों को सहना चाहता है तथा उनसे पार पाना चाहता है। वह दुखों से मुक्ति नहीं, बल्कि उसे सहने और उबरने की आत्मशक्ति चाहता है। इस कविता में निहित संदेश यह है कि हम अपने दुखों के लिए प्रभु को जिम्मेदार न ठहराएँ। हम दुखों को सहर्ष स्वीकार करें तथा उनसे पीछा छुड़ाने के बजाय उन्हें सहें तथा उनका मुकाबला करें। दुखों से परेशान होकर। हम आस्थावादी बनने की जगह निराशावादी न बने। हम हर प्रकार की स्थिति में प्रभु के प्रति अटूट आस्था एवं विश्वास बनाए रखें।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

    i. व्यक्ति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण उसे निम्न प्रकार से बचा सकता है-

        i. आम आदमी की धर्म के प्रति अंधश्रद्धा पर, धर्म के ठेकेदार कहे जाने वाले महंत, पुजारी आदि अपने स्वार्थ को पूरा करते हैं। वे व्यक्ति को धर्म के नाम पर डरा-डराकर अपनी जेब भरते रहते है। जब भी वे किसी व्यक्ति को दुःखी, निराश था परेशान देखते हैं, तो तुरंत ही मोह-माया की बाते कर उन्हें अपने जाल में फँसा लेते है।
        ii. कहानी में हरिहर काका भी इनका शिकार होते हैं। ठाकुरबारी का महंत जानता है कि हरिहर काका की अपनी कोई संतान नहीं है। इसी बात का फायदा उठाकर वह उन्हें अपनी बातों के जाल में फँसाते हुए उनसे कहता है कि उन्हें मोह माया के फेर में नहीं पड़ना चाहिए और अपने सिर की जमीन ठाकुरबारी के नाम कर देनी चाहिए। ऐसा करने से उन्हें परलोक की प्रति होगी और गांव में मान-सम्मान भी बढ़ेगा।
        iii. जब हरिहर काका ने अपनी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम करने से मना कर दिया तो महंत ने ज़ोर-जबरदस्ती कर उनका अँगूठा कागज़ पर लगवा लिया। ऐसी स्थिति में व्यक्ति का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण ही उसे बचा सकता है, क्योंकि व्यक्ति की सोच-समझ ही उसे सही निर्णय लेने में मदद करती है और उसे धर्म के ठेकेदारों के स्वार्थों से बचा सकते हैं।

    ii. टोपी सरल स्वभाव और संकोची प्रवृत्ति का था। वह तुरंत किसी से दोस्ती नहीं कर पाता था। इफ़्फ़न के जाने के बाद वह बहुत अधिक अकेलापन महसूस कर रहा था। घर-परिवार में सब कुछ था, परंतु प्यार की कमी सदैव बनी रहती थी। फेल हो जाने के कारण कक्षा में भी कोई विद्यार्थी उससे सहानुभूति नहीं रखता था।
    दूसरी ओर नए कलेक्टर के बच्चे अपने पिता के उच्च पद की अकड़ रखते थे। कोई टोपी को मुँह नहीं लगाता था। फिर भी हिम्मत करके उसने एक दिन कलेक्टर साहब के बंगले में प्रवेश किया। माली और चपरासी टोपी को अच्छी तरह पहचानते थे, इसलिए अंदर जाने से भी नहीं रोका। जब टोपी अंदर पहुँचा, तो तीनों लड़के क्रिकेट खेल रहे थे। उन्होंने जैसे ही टोपी को देखा, तो अंग्रेज़ी भाषा में प्रश्नों की झड़ी लगा दी।
    इन सवालों-जवाबों में उनकी कहा-सुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि उन लड़कों ने टोपी के पीछे कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते के काटने के कारण टोपी को सात सुइयाँ पेट में लगवानी पड़ीं। इस घटना के बाद कभी उसने पलटकर भी बंगले की ओर नहीं देखा। वास्तव में, सच्ची दोस्ती तभी संभव है, जब दोनों ओर से हाथ बढ़ाया जाए। अतः सरल स्वभाव होने पर भी टोपी नए कलेक्टर के अकडू बच्चों से दोस्ती नहीं कर सका।

Section D

12. आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में

आने वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।
विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि को बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

OR

आज की बचत कल का सुख

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।
जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।
हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

OR

'बाल मज़दूरी' से तात्पर्य ऐसी मज़दूरी से है, जिसके अंतर्गत 5 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चे किसी संस्थान में कार्य करते हैं। जिस आयु में उन बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए, उस आयु में वे किसी दुकान रेस्टोरेंट पटाखे की फैक्टरी, हीरे तराशने की फैक्टरी, शीशे का सामान बनाने वाली फैक्टरी आदि में काम करते हैं।
भारत जैसे विकासशील देश में बाल मजदूरी के अनेक कारण हैं। अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा का महत्त्व न समझ पाने के कारण अपने बच्चों को मज़दूरी करने के लिए भेज देते हैं। जनसंख्या वृद्धि बाल मज़दूरी का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। निर्धन परिवार के सदस्य पेट भरने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को काम पर भेज देते हैं।
भारत में बाल मज़दूरी को गंभीरता से नहीं लिए जाने के कारण इसे प्रोत्साहन मिलता है। देश में कार्य कर रही सरकारी, गैर-सरकारी और निजी संस्थाओं की इस समस्या के प्रति गंभीरता दिखाई नहीं देती। बाल मज़दूरी की समस्या का

समाधान करने के लिए सरकार कड़े कानून बना सकती है। समाज के निर्धन वर्ग को शिक्षा प्रदान करके बाल मज़दूरी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण कर भी बाल मज़दूरी को नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, जो बाल मज़दूरी का विरोध करती हैं या बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम चलाती हैं।

13. परीक्षा भवन,
उत्तर प्रदेश।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
श्रीमान सांसद नजफगढ़,
विषय राष्ट्रीय राजमार्ग के यातायात को नियंत्रित करने के संदर्भ में।
महोदय,

आपके क्षेत्र का जागरूक नागरिक होने के नाते मैं आपका ध्यान राष्ट्रीय राजमार्ग के यातायात की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे नगर के जिस भाग से राष्ट्रीय राजमार्ग (दिल्ली-देहरादून) गुजरता है, वहाँ हमेशा दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। नगरवासी लंबी दूरी के वाहनों और नगर की भीड़ से परेशान रहते हैं। यह समस्या स्थायी है। इसका समाधान करने के लिए दीर्घकालीन और सुविचारित योजना का होना अत्यंत आवश्यक है। मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आप एक सांसद होने के नाते अपने प्रभाव का प्रयोग करते हुए अपने नगर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लंबा पुल बनवाएँ। इसी से समस्या का स्थायी समाधान निकल सकता है।
आशा है कि आप मेरे सुझाव पर ध्यान देते हुए इस पर शीघ्र कार्यवाही करेंगे।
धन्यवाद।
प्रार्थी
गोपाल

OR

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।
विषय सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के संदर्भ में।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से सरकार और समाज का ध्यान बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप इसे जनहित में अवश्य प्रकाशित करेंगे। इन दिनों दिल्ली में सड़क दुर्घटनाएँ काफ़ी बढ़ गई हैं। वाहन चालक यातायात के नियमों का खुला उल्लंघन करते हैं। उन्हें रोकने-टोकने वाला कोई नहीं है। दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में मैं निम्नलिखित सुझाव देना चाहता हूँ।

i. प्रातः 8 से 12 बजे तक तथा सायं 5 से 8 बजे तक सभी व्यस्त चौराहों पर यातायात पुलिस के सिपाही उपस्थित रहें। और वे नियम का उल्लंघन करने वालों का चालान करें।
ii. वाहन चलाते हुए मोबाइल से बात करने वालों का तुरंत चालान कर देना चाहिए।
iii. दो बार से अधिक कोई भी नियम भंग करने वाले चालक का ड्राइविंग लाइसेंस ज़ब्त कर लिया जाना चाहिए।
iv. ऐसे वाहन चालकों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए, जो अपने वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलाते हों तथा किसी प्रकार के नियम भंग न करते हों।
v. जनता से ऐसे वाहन चालकों के वाहन नंबर नोट करके यातायात पुलिस को देने की अपील करनी चाहिए, जो सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का उल्लंघन करते हों।

धन्यवाद।
भवदीय
कार्तिक

14.

सूचना

15 अप्रैल, 2019

हमारे विद्यालय के प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अधिक-से-अधिक धन राशि एकत्रित करके सुनामी पीड़ितों की सहायता की जाए। अतः आप सबको सूचित किया जाता है कि अधिक-से-अधिक दान देकर इस कार्य में सहयोग दें। अतिरिक्त जानकारी हेतु स्कूल प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी से संपर्क करें।
अभिषेक वर्मा
हेड ब्वाय

OR

केंद्रीय विद्यालय, द्वारका, नई दिल्ली

सूचना

दिनांक 12 मार्च, 2019

नाम बदलने की सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि मैंने अर्थात् कक्षा दसवीं की छात्रा कु. अभिलाषा सुपुत्री श्रीमती एवं श्रीमान विनय कपूर, निवासी-B ब्लॉक, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली ने प्रशासनिक कारणों से अपना नाम अभिलाषा से बदलकर 'प्रांजल' रख लिया है। भविष्य में 'प्रांजल' नाम का प्रयोग ही मान्य होगा।
प्रांजल
कक्षा-दसवीं 'ब'

15. पति - ज़रा आज का अखबार तो लाना।
पत्नी - अखबार तो पड़ोसी ले गए।
पति - आज भी ले गए?
पत्नी - अखबार तो मैं लाकर दे देती हूँ, पर क्या इस मुसीबत से किसी तरह छुटकारा नहीं मिल सकता?
पति - हाँ, इसका एक उपाय है। अखबार वाले से कहना कि कल से हमारा अखबार पड़ोसी के घर डाल जाया करे। मैं उसे लेने चला जाया करूँगा। अपना अखबार ले आया करूँगा तथा उनके घर नाश्ता भी कर आया करूँगा।

OR

मोहित - यार, राहुल भ्रष्टाचार के कारण जीना हराम हो गया है।
राहुल - क्या बात है, मोहित कुछ हुआ क्या?
मोहित - क्या तुम भ्रष्टाचार से त्रस्त नहीं हो? क्या तुम्हारा सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा है?
राहुल - नहीं, यार! ठीक-ठाक क्या चलेगा? परंतु मैं अपना काम तो कर ही लेता हूँ।
मोहित - क्या? तुम अपना काम कैसे निकालते हो? क्या तुम भी अपना काम निकालने के लिए भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा देते हो।
राहुल - मज़बूरी है यार क्या करूँ?
मोहित - ठीक है तो मेरी तुम्हारी दोस्ती समाप्त! मैं भ्रष्टाचारियों के साथ नहीं रह सकता।
राहुल - नहीं यार, मैं सबकुछ छोड़ दूँगा तुम्हें नहीं छोड़ सकता! आज से मैं किसी को भी रिश्वत नहीं दूँगा।

16.

"ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढ़ाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध
इसके लिए कम हैं शब्द"

पवनहंस बुक शॉप

संपर्क करें

पता:- राजनगर पालम, नई दिल्ली

फोन नं. 011252645XX

OR

टच स्क्रीन मोबाइल

स्टार-PWN

ड्यूअल सिम 5जी इंटरनेट के साथ

मात्र **5,999/-** सीमित ऑफर

विशेषताएँ:-

- एंड्रॉयडमीनू
- 5जी इंटरनेट डबल सिम
- 12 महीने की वारंटी
- फुल एच डी कैमरा
- 4k वीडियो प्लेयर
- 128 इंटरनल मेमोरी
- लंबा बैटरी बैकअप

संपर्क करें : एच-75 वसंत विहार, नई दिल्ली, फोन नं. 011-432569XX